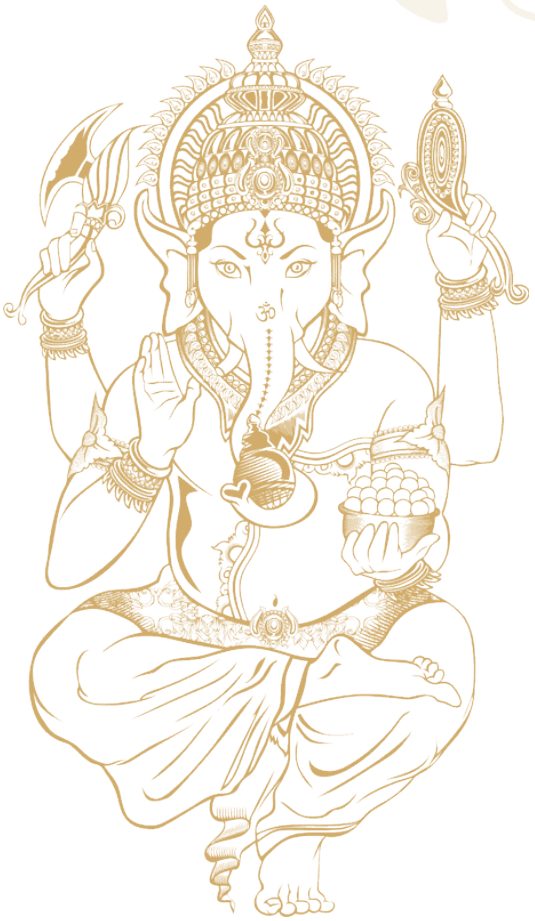

# Ms.

22 Mar 2026

10:41 PM

Hathras

Model: web-freekundliweb

Order No: 121782508

| | |
|---|---|
| लिंग | स्त्रीलिंग |
| **जन्म तिथि** | **22/03/2026** |
| दिन | रविवार |
| **जन्म समय** | **22:41:28 घंटे** |
| इष्ट | 40:53:24 घटी |
| **स्थान** | **Hathras** |
| राज्य | Uttar Pradesh |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 27:36:00 उत्तर |
| रेखांश | 78:02:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:17:52 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 22:23:36 घंटे |
| वेलान्तर | -00:06:54 घंटे |
| साम्पातिक काल | 10:24:28 घंटे |
| सूर्योदय | 06:20:06 घंटे |
| सूर्यास्त | 18:29:55 घंटे |
| दिनमान | 12:09:49 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | उत्तर |
| ऋतु | वसन्त |
| सूर्य के अंश | 07:51:44 मीन |
| लग्न के अंश | 03:25:00 वृश्चिक |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | वृश्चिक - मंगल |
| **राशि-स्वामी** | **मेष - मंगल** |
| **नक्षत्र-चरण** | **भरणी - 4** |
| नक्षत्र स्वामी | शुक्र |
| योग | विष्कुम्भ |
| करण | बव |
| गण | मनुष्य |
| योनि | गज |
| नाड़ी | मध्य |
| वर्ण | क्षत्रिय |
| वश्य | चतुष्पाद |
| वर्ग | मृग |
| युँजा | पूर्व |
| हंसक | अग्नि |
| जन्म नामाक्षर | लो-लोचन |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | स्वर्ण - स्वर्ण |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मेष |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | वृश्चि | 03:25:00 | 308:35:16 | अनुराधा | 1 | 17 | मंगल | शनि | शनि | --- |
| सूर्य | | | मीन | 07:51:44 | 00:59:34 | उ०भाद्रपद | 2 | 26 | गुरु | शनि | केतु | मित्र राशि |
| चंद्र | | | मेष | 26:39:22 | 14:29:34 | भरणी | 4 | 2 | मंगल | शुक्र | केतु | सम राशि |
| मंगल | | अ | कुंभ | 21:36:54 | 00:47:08 | पू०भाद्रपद | 1 | 25 | शनि | गुरु | गुरु | सम राशि |
| बुध | | | कुंभ | 14:26:24 | 00:10:52 | शतभिषा | 3 | 24 | शनि | राहु | बुध | सम राशि |
| गुरु | | | मिथु | 21:04:44 | 00:02:14 | पुनर्वसु | 1 | 7 | बुध | गुरु | गुरु | शत्रु राशि |
| शुक्र | | | मीन | 25:57:35 | 01:14:13 | रेवती | 3 | 27 | गुरु | बुध | राहु | उच्च राशि |
| शनि | | अ | मीन | 10:09:52 | 00:07:29 | उ०भाद्रपद | 3 | 26 | गुरु | शनि | शुक्र | सम राशि |
| राहु | व | | कुंभ | 14:34:34 | 00:02:53 | शतभिषा | 3 | 24 | शनि | राहु | केतु | मित्र राशि |
| केतु | व | | सिंह | 14:34:34 | 00:02:53 | पू०फाल्गुनी | 1 | 11 | सूर्य | शुक्र | शुक्र | शत्रु राशि |
| हर्ष | | | वृष | 04:09:28 | 00:02:16 | कृतिका | 3 | 3 | शुक्र | सूर्य | शनि | --- |
| नेप | | | मीन | 07:37:41 | 00:02:16 | उ०भाद्रपद | 2 | 26 | गुरु | शनि | केतु | --- |
| प्लूटो | | | मक | 10:49:23 | 00:01:12 | श्रवण | 1 | 22 | शनि | चंद्र | चंद्र | --- |
| दशम भाव | | | सिंह | 10:00:58 | -- | मघा | -- | 10 | सूर्य | केतु | शनि | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

## लग्न-चलित

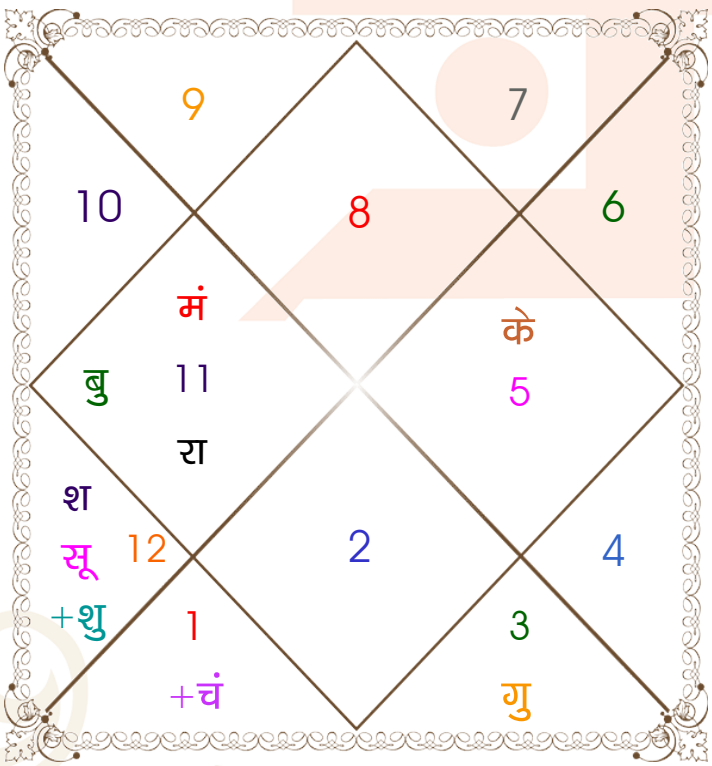


## चन्द्र कुंडली

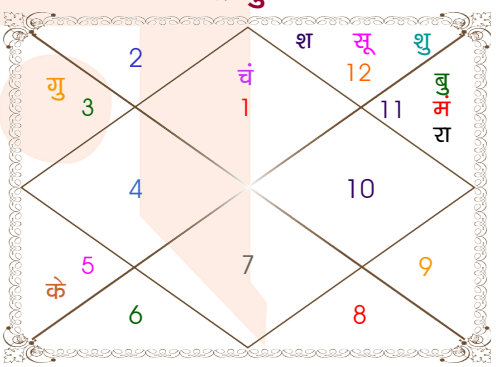


## नवमांश कुंडली

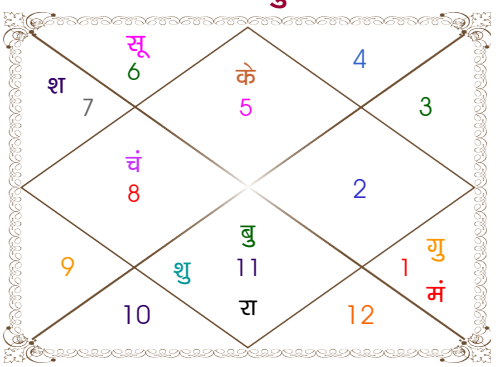

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : शुक्र 0 वर्ष 0 मास 5 दिन

| शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 22/03/2026 | | 28/03/2026 | | 28/03/2032 | | 28/03/2042 | | 28/03/2049 | |
| 28/03/2026 | | 28/03/2032 | | 28/03/2042 | | 28/03/2049 | | 29/03/2067 | |
| | 00/00/0000 | सूर्य | 16/07/2026 | चंद्र | 26/01/2033 | मंगल | 24/08/2042 | राहु | 09/12/2051 |
| | 00/00/0000 | चंद्र | 14/01/2027 | मंगल | 27/08/2033 | राहु | 12/09/2043 | गुरु | 04/05/2054 |
| | 00/00/0000 | मंगल | 22/05/2027 | राहु | 26/02/2035 | गुरु | 18/08/2044 | शनि | 10/03/2057 |
| | 00/00/0000 | राहु | 15/04/2028 | गुरु | 27/06/2036 | शनि | 27/09/2045 | बुध | 27/09/2059 |
| | 00/00/0000 | गुरु | 01/02/2029 | शनि | 26/01/2038 | बुध | 24/09/2046 | केतु | 15/10/2060 |
| | 00/00/0000 | शनि | 14/01/2030 | बुध | 28/06/2039 | केतु | 20/02/2047 | शुक्र | 15/10/2063 |
| | 00/00/0000 | बुध | 21/11/2030 | केतु | 27/01/2040 | शुक्र | 21/04/2048 | सूर्य | 08/09/2064 |
| | 22/03/2026 | केतु | 29/03/2031 | शुक्र | 27/09/2041 | सूर्य | 27/08/2048 | चंद्र | 10/03/2066 |
| केतु | 28/03/2026 | शुक्र | 28/03/2032 | सूर्य | 28/03/2042 | चंद्र | 28/03/2049 | मंगल | 29/03/2067 |

| गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 29/03/2067 | | 29/03/2083 | | 29/03/2102 | | 30/03/2119 | | 29/03/2126 | |
| 29/03/2083 | | 29/03/2102 | | 30/03/2119 | | 29/03/2126 | | 23/03/2146 | |
| गुरु | 16/05/2069 | शनि | 31/03/2086 | बुध | 25/08/2104 | केतु | 26/08/2119 | शुक्र | 29/07/2129 |
| शनि | 27/11/2071 | बुध | 08/12/2088 | केतु | 22/08/2105 | शुक्र | 25/10/2120 | सूर्य | 29/07/2130 |
| बुध | 04/03/2074 | केतु | 17/01/2090 | शुक्र | 22/06/2108 | सूर्य | 02/03/2121 | चंद्र | 29/03/2132 |
| केतु | 08/02/2075 | शुक्र | 19/03/2093 | सूर्य | 28/04/2109 | चंद्र | 01/10/2121 | मंगल | 29/05/2133 |
| शुक्र | 09/10/2077 | सूर्य | 01/03/2094 | चंद्र | 28/09/2110 | मंगल | 27/02/2122 | राहु | 29/05/2136 |
| सूर्य | 28/07/2078 | चंद्र | 30/09/2095 | मंगल | 25/09/2111 | राहु | 17/03/2123 | गुरु | 28/01/2139 |
| चंद्र | 27/11/2079 | मंगल | 08/11/2096 | राहु | 13/04/2114 | गुरु | 21/02/2124 | शनि | 29/03/2142 |
| मंगल | 02/11/2080 | राहु | 15/09/2099 | गुरु | 19/07/2116 | शनि | 01/04/2125 | बुध | 27/01/2145 |
| राहु | 29/03/2083 | गुरु | 29/03/2102 | शनि | 30/03/2119 | बुध | 29/03/2126 | केतु | 23/03/2146 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 0 वर्ष 0 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म अनुराधा नक्षत्र के प्रथम चरण मे वृश्चिक लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृश्चिक लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। नक्षत्र प्रभावानुसार यह सुनिश्चित संभावना है कि आप वैदेशिक यात्रा पर जाएंगी और वहीं अपना निवास बनाकर सुनिश्चित हो जाएंगी।

आप धनी, समृद्ध एवं तीव्र बुद्धि की स्वस्थ प्राणी होंगी। स्वाभाविक रूप से आप भ्रमण प्रिय होंगी तथा आप नये-नये स्थानों का परिदर्शन अर्थात् परिभ्रमण करने में समर्थ होंगी। आप में अनेकोनेक गुण विद्यमान हैं जो आपके यथेष्ठ धनोपार्जन में सहायक होगा। आप व्यक्तिगत रूप से अत्यंत ही दृढ़ निश्चयी हैं। आप अपने उद्देश्य से लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कठिन श्रम करेंगी। आप अपने खेल के पत्ते को उसके लिए बंद कर देती हैं, जिनके संबंध में आपका हृदय स्वीकार नहीं करता। यदि अन्य व्यक्ति आपको सुनिश्चित कार्य-व्यवसाय हेतु प्रेरित करता है तो आप निश्चित समय पर निश्चित रीति से कार्य संपादन कर लेती हैं। आपकी भावनाओं अर्थात् बातों को समझ कर ठीक तरीके से कार्यान्वयन कर लेना किसी के लिए भी यह दुरूह कार्य है। आप निःसंदेह अत्यंत मधुर भाव से अपनी भावना के प्रतिकूल आचरण करने लगती हैं ; लेकिन सभी लोग यह जानते हैं कि आप जो मुंह से उच्चारण करते हैं, वह सत्य नहीं है। स्पष्टतः आपकी उपस्थिति आपसे संबंधित बातों के लिए भ्रामक प्रमाणित होता है। आपकी आलस्यपूर्ण रवैया के प्रति आप ध्यान नहीं देती। यह उद्देश्य आपसे संबंधित कार्य संपादन हेतु अनैतिक कार्य है। आप किसी भी अवसर पर कोई भी अपेक्षित कार्यकाल अपनी अति प्रतिशोधात्मक मुद्रा अपना लेते हैं। इसलिए आप से संबंधित आपका कार्य बिना किसी भी बाधा के धीरे-धीरे संपादित हो जाता है।

आपकी ऐसी प्रवृति है कि आप स्वयं अपनी आस्था के अनुसार किसी भी विषय की गंभीरता पूर्वक जांच पड़ताल कर लेती हैं, क्योंकि आप परिपक्व बुद्धि की प्राणी है। आप अपने हित के लिए किसी भी यथार्थ कार्य हेतु संबंधित कठिन निर्णय लेकर अपने कार्य को सुगमतापूर्वक कार्य रूप देती हैं। आप स्वतंत्र निष्पक्ष एवं निर्भीक प्राणी हैं। आप अपने कार्य उद्देश्य को लक्ष्य तक पहुंचाने में अपनी नीति के साथ किसी भी प्रकार की बुराई के प्रति सतर्कता पूर्ण रवैया अपनाकर चाहे जो कुछ भी व्यवधान हो। उसे स्पष्ट कर लेती हैं। आप स्वाभाविक रूप से आर्थिक सहयोग प्रदान कर प्रचूर मात्रा में आपको धनवान बनने का सौभाग्य प्रदान करता है।

आप धन संचय द्वारा समय-समय पर अपनी प्रवृति को मोड़कर उदरतापूर्वक अपने संबंधी एवं मित्रों को बहुतायत में अर्थात् पर्याप्त मात्रा में आर्थिक अनुदान देती हैं जो आपको उनके मध्य प्रसिद्ध बनाता है।

आप अपनी विश्वसनीयता एवं सुयोग्य पति के साथ अपना प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन को शान्तिपूर्वक बिताएंगी। आपके लिए आदर्श जीवन संगी हेतु उपयुक्त एवं दर्शनीय व्यक्ति वह है जिसका जनम राशि बृश्चिक, कर्क, मीन, कन्या, मकर अथवा बृष राशि हो। आप

अति उत्तम संतान के साथ सौभाग्यशाली जीवन यापन करेंगी।

आपका व्यक्तित्व बहुत उत्तम है। आप औसतन लंबाई से युक्त पूर्ण स्वस्थ रहेंगी। यदि आप किसी भी प्रकार का जोखिमपूर्ण कार्य किया तो कुछ वर्षों के पश्चात् आप प्रजनन दौर्व्यल्यता, इंद्रिय रोग एवं अनिंद्रा रोग से युक्त एवं आक्रांत हो जाएंगी। अतः आप इस प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्कता पूर्वक कदम उठाएं। यह प्रक्रिया आपके स्वास्थ्य रक्षा हेतु उत्तम एवं सहायक होगी।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आप अंको में 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक को अपने हित में सम्मिलित कर सकते हैं, परंतु 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहरणीय है।

रंगों में रंग नीला, सफेद एवं हरा रंग अनुपयुक्त है जबकि रंग लाल, नारंगी, पीला एवं क्रीम रंग आपके हित अनुकूल है।